

एयूडी में पीजी दाखिले मई के पहले सप्ताह से शुरू

यूजी के 1194, पीजी की 1375, एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम की 238 और पीएचडी प्रोग्राम की 238 सीटों पर होंगे दाखिले

अमर उजाला न्यूज़

नई दिल्ली। डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय (एयूडी) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातकोत्तर (पीजी) प्रोग्राम में दाखिले की शुरुआत अगले सप्ताह से होने जा रही है। पीजी प्रोग्राम के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया मई के पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगी। विश्वविद्यालय के दाखिला पोर्टल से आवेदक पंजीकरण कर सकेंगे। जबकि यूजी प्रोग्राम में प्रवेश राष्ट्रीय

आवेदन शुल्क में हुई बढ़ोतरी

इस बार आवेदकों को विभिन्न प्रोग्राम के लिए अलग-अलग आवेदन नहीं करना है। एक ही आवेदन शुल्क से कई प्रोग्राम के लिए आवेदन हो जाएगा। इस बार विश्वविद्यालय ने पंजीकरण शुल्क में बढ़ोतरी की है। पीजी प्रोग्राम के लिए सामान्य और ओबीसी श्रेणी के आवेदकों के लिए पंजीकरण शुल्क 800 रुपये व एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवेदकों को 400 रुपये प्रति प्रोग्राम का भुगतान करना होगा। यूजी प्रोग्राम के लिए सामान्य और ओबीसी श्रेणी के लिए 650 रुपये प्रति प्रोग्राम देने होंगे। एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवेदकों को 300 रुपये देने होंगे।

परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित सौयुद्धी यूजी परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद प्रारंभ होगी।

वहाँ जिन छात्रों ने नए छात्रों के अनुसार चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम को पूरा किया है, वे केवल

एक वर्ष में पीजी कोर्स पूरा कर सकेंगे। एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम को इस साल केवल स्नातक प्रोग्राम (साइकोलॉजी, अंग्रेजी, हिंदी, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, इतिहास, पॉलिटिकल साइंस) में लागू किया जा रहा है। इस बार 3,99,010 आवेदकों ने सौयुद्धी आवेदन प्रक्रिया में अंबेडकर विश्वविद्यालय का चयन किया है।

कुलपति प्रो. अनुमिंह लाठर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दाखिला ब्रोशर

जारी करते हुए कहा बताया कि यूजी के लिए 1194 सीटों, पीजी की 1375 सीटों, पीएचडी (अगले चरण) प्रोग्राम की 238 सीटों पर दाखिले होंगे।

साथ ही एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम की भी 238 सीटों पर दाखिले होंगे। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने यूजी-पीजी स्तर पर नए कार्यक्रमों की घोषणा की है। इनमें बीए बिजुअल आर्ट्स, एमए क्रिएटिव राइटिंग, मान्टर ऑफ आर्ट्स (थियटर) आदि कोर्स शुरू होंगे।

एयूडी में पांच नए कोर्स के साथ एक वर्ष का पीजी प्रोग्राम शुरू

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: डा. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय (एयूडी) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अपने पाठ्यक्रम में पांच नए कोर्स शुरू करने और सात विषयों में एक वर्ष का स्नातकोत्तर (पीजी) प्रोग्राम लांच करने की घोषणा की है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस सत्र से एमए इन क्रिएटिव राइटिंग और एमए इन परफार्मिंग आर्ट्स (थिएटर आर्ट्स) जैसे नए पीजी कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। वहीं, स्नातक स्तर पर बीए इन म्यूजियोलॉजी, कल्चर एंड हेरिटेज मैनेजमेंट के साथ बीए विजुअल आर्ट्स और बीएससी गणित (डाटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माइनर के साथ) भी शुरू होंगे।

विश्वविद्यालय ने एनईपी-2020 के अनुरूप मनोविज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास और राजनीति विज्ञान में एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम भी शुरू किया है। चार वर्षीय स्नातक करने वाले विद्यार्थी

इसमें आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, पीजी कोर्स की दाखिला प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू होने की संभावना है, जबकि यूजी दाखिले सीयूईटी-यूजी के नतीजों के बाद शुरू होंगे। इस बार एक वर्षीय और दो वर्षीय पीजी कोर्स की प्रवेश प्रक्रिया समानांतर चलाने की योजना है। कुलपति अनु सिंह लाठर ने कहा कि विश्वविद्यालय लंबे समय से शैक्षणिक नवाचार में अग्रणी रहा है। सत्र 2026-27 के लिए विश्वविद्यालय 78 कोर्सेज में 3000 से अधिक सीटों पर प्रवेश करेगा। दाखिले सीयूईटी-यूजी, सीयूईटी-पीजी और एनसीईटी के माध्यम से होंगे। विद्यार्थियों को एक ही पंजीकरण फीस के जरिये कई कोर्स में आवेदन करने की सुविधा दी गई है। इसके साथ ही एससी, एसएसटी और दिव्यांग वर्ग के छात्रों के लिए 100 प्रतिशत फीस की छूट और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए ग्रेडेड फीस छूट का नियम भी रहेगा।

एयूडी में एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया गया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

डाक्टर बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कुछ विषयों में एक वर्षीय स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है।

यह जानकारी विश्वविद्यालय ने नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में दी। विश्वविद्यालय अधिकारियों के अनुसार, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम ढांचा (पीजीसीएफ) के तहत सात विषयों, मनोविज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास और राजनीति विज्ञान में एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम शुरू किए

जाएंगे। ये पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार किए गए हैं। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम पूरा कर चुके छात्र सीयूईटी पीजी के परिणाम के आधार पर इन कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे। स्नातक स्तर पर भी विश्वविद्यालय नए पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है, जिनमें बीएससी गणित और बीए विजुअल आर्ट्स शामिल हैं।

कुलपति अनु सिंह लाथेर ने कहा कि विवि का शैक्षणिक ढांचा नवाचार और गुणवत्ता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अधिकारियों ने बताया कि पीजी प्रवेश प्रक्रिया अगले सप्ताह शुरू होने की संभावना है, हालांकि तिथियों की औपचारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

AUD में 1 साल के 7 पीजी कोर्स, 5 नए कोर्स

AI Image

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

आंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली (एयूडी) में इस साल एक साल का पोस्टग्रेजुएट (पीजी) प्रोग्राम शुरू होगा, हालांकि अभी ऐसे 7 पीजी कोर्स ही चलेंगे। 2022 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के तहत यूनिवर्सिटी में शुरू हुए चार साल के अंडरग्रेजुएट (यूजी) कोर्स का पहला बैच

मई के पहले हफ्ते से पीजी दाखिला प्रक्रिया, 3000+ सीटों पर होंगे दाखिले

इस साल पास होगा। इनके लिए एक साल के पीजी कोर्स का प्रावधान है। मई पहले हफ्ते दाखिला प्रक्रिया शुरू होगी और दाखिले कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट - पीजी (CUET-PG) के स्कोर पर होंगे। वहीं, सीयूईटी यूजी के बाद जून में यूजी कोर्सों के लिए जून में दाखिले होंगे। यूनिवर्सिटी में 3 हजार से ज्यादा सीटों पर दाखिले होंगे, इनमें 1194 यूजी, 1375 पीजी, 220 पीएचडी की सीटें हैं। एयूडी में दो साल के 28 पीजी कोर्स



हैं। इनमें से 7 पीजी कोर्सों में एक साल का पीजी भी शुरू हो रहा है। बुधवार को एयूडी की वाइस चांसलर प्रो अनु लाठर ने बताया, सेशन 2026-27 में हम अपने पॉपुलर कोर्स - साइकलॉजी, सोशियॉलजी, इकनॉमिक्स, हिंदी, इंग्लिश, हिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस में एक साल का पीजी कोर्स शुरू कर रहे हैं।

इन सब्जेक्ट में चार साल का यूजी करने वाले स्टूडेंट्स भी ज्यादा थे। सभी पीजी कोर्सों को एक साल का रखना अभी मुमकिन नहीं है क्योंकि इन्फ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी सबकी व्यवस्था करनी होगी। इस एक साल के पीजी में बाकी यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स भी दाखिला ले सकेंगे। प्रो अनु ने बताया कि इस साल स्टूडेंट्स को एक ही रजिस्ट्रेशन फीस में कई कोर्स के लिए आवेदन का मौका मिलेगा।

AUD launches 1-yr PG courses, new UG programmes

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Dr BR Ambedkar University Delhi (AUD) is set to roll out a major academic expansion in the 2026-27 session, with new courses across undergraduate and postgraduate levels in line with the National Education Policy (NEP) 2020.

The university will introduce one-year postgraduate programmes in core humanities and social sciences, open to graduates of four-year BA programmes through CUET-PG. Disciplines on offer include Psychology, English, Hindi, Economics, Sociology, History and Political Science. New MA programmes in Creative Writing and Performing Arts (Theatre Arts) will also be launched.

At the undergraduate level, AUD is introducing BA programmes in Museology, Culture and Heritage Management and Visual Arts, signalling a shift towards interdisciplinary and practice-oriented education. The Museology programme is among the first of its kind to be offered at the university level in India. In addition, the existing mathematics programme has been restructured to include a minor in Data Science and Artificial Intelligence, integrating emerging technological skills into the curriculum.

For the 2026-27 academic session, the university will offer more than 3,000 seats across 78 undergraduate, postgraduate and doctoral programmes. Admissions will be conducted through CUET-UG, CUET-PG and NCET, with applications routed through the universi-

For the 2026-27 academic session, the university will offer more than 3,000 seats across 78 undergraduate, postgraduate and doctoral programmes

ty's admission portal. While the postgraduate portal is expected to open shortly, undergraduate admissions will begin after the declaration of CUET-UG results. Candidates can apply to multiple programmes through a single registration fee, with fee relaxations for reserved categories.

The academic framework emphasises interdisciplinary learning, flexible curricular pathways and continuous evaluation. Academic engagement is further strengthened through specialised schools, including the School of Heritage Research and Management, which facilitates fieldwork and collaborations with organisations such as the Archaeological Survey of India.

The university is also incorporating Bharatiya Knowledge Systems into its curricula and examining the interface between Artificial Intelligence and the social sciences and humanities through dedicated academic initiatives and committees.

Established in 2008, AUD currently has more than 6,250 students across its campuses at Kashmere Gate, Karampura, Qutub Institutional Area and Lodhi Road. Future plans include the development of new campuses at Dheerpur and Rohini.